श्री जे० एस० एल० हथी : अभी तो उसका परीक्षण होगा ।

श्रीमती चन्द्रवती लखनपाल : मैं यह भी जानना चाहती हूं कि यह जो स्कीम चालू होगी वह पुरानी का ही पुनरुद्धार होगी या कोई नये ढंग की स्कीम होगी ?

श्री जे० एस० एल० हथी : नई स्कीम होगी ।

**पूर्वी पाकिस्तान से आये शरणार्थी**

*८३९. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि फरवरी १९५५ में कितने शरणार्थी पूर्वी पाकिस्तान से भारत आए तथा पिछले साल उसी महीने में कितने शरणार्थी वहां से भारत आये ?

**t [REFUGEES FROM EAST PAKISTAN**

*839. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for REHABILITATION be pleased to state the number of refugees who came to India from East Pakistan during February 1955 and of those •who came to India during the same month of the previous year?]

पुनर्वास उपमंत्री (श्री जे० के० भोंसले) : फरवरी १९५५ में २४,३२८ व्यक्ति और फरवरी १९५४ में ६,६७८ व्यक्ति ।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR REHABILITATION (SHRI J. K. BHONSLE): In February 1955, 24,328 persons; and in February 1954, 6,678 persons.]

श्री नवाब सिंह चौहान : इस सम्बन्ध में पाकिस्तान सरकार से वार्ता चल रही थी और पिछली मर्तबा यहां पर वक्तव्य भी दिया गया था कि श्री चंदा पाकिस्तान के टूर के लिये जायेंगे, तो क्या उन्होंने टूर कर लिया है और यदि हां, तो क्या वह इस सम्बन्ध में यहां कोई वक्तव्य देंगे ?

श्री जे० के० भोंसले : जी हां, श्री चन्दा मेरे ख्याल में कल वापस आये हैं और उम्मीद है कि जल्द से जल्द वह अपनी रिपोर्ट सरकार के पास भेज देंगे ।

श्री एस० एन० मजूमदार : क्या वह पार्लियामेंट के सामने रिपोर्ट देंगे, या नहीं ?

श्री जे० के० भोंसले : उसके लिये तो आप अलग से सवाल पूछें ।

श्री बी० के० डगे : आपने जवाब दिया कि रिपोर्ट सरकार के सामने पेश करेंगे । तो पूछा यह जा रहा है कि वह पार्लियामेंट के सामने पेश की जायेगी या नहीं ?

श्री जे० के० भोंसले : इस बारे में मैं नहीं कह सकता हूं । इसका जवाब तो एक्सटर्नल अफेअर्स मिनिस्ट्री देना चाहेगी ।

श्री नवाब सिंह चौहान : जब से इस सम्बन्ध में पाकिस्तान से समझौते की बातें चली हैं तब से हालत में क्या कोई सुधार हुआ है और क्या वहां से अब कम रेफ्यूजीज आ रहे हैं ?

श्री जे० के० भोंसले : कोई इतना ज्यादा तो सुधार नहीं हुआ है लेकिन मालूम होता है कि हालत में थोड़ा कुछ सुधार हो गया है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : वह सुधार कितना हुआ है, क्या मेहरबानी कर के आप हमें उसके आंकड़े बता सकते हैं ?

श्री जे० के० भोंसले : वह आंकड़े मेरे पास अभी तो मौजूद नहीं हैं ।

SHRI S. MAHANTY: IS it a fact, Sir, that the Pakistan Government has offered to take back the refugees who have come from East Bengal to India during this year?

SHRI J. K. BHONSLE: Yet, Sir. They have already made a statement

eo that effect that if they are willing to go back, they would not only welcome them, but also would return all the property, etc'

SHRI S. MAHANTY: Has this fact been communicated to the refugees?

SHRI J. K. BHONSLE: It is already out in the papers and I take it that the West Bengal Government, as well as our Ministry there, would have done that already.

SHRI S. MAHANTY: Are they willing to go to Pakistan or not?

SHRI J. K. BHONSLE: It is very difficult for me to say.

SHRI B. C. GHOSE: Has the hon. Minister any later figures than February with him here about migrations?

SHRI J. K. BHONSLE: I have not got the latest figure, but when I spoke to the Minister on the phone this morning I was told that it is somewhat on the decline.

SHRI S. MAHANTY: The question is

**श्री कृष्णकान्त व्यास** : जो लोग भारत में आ कर बसे हैं उनके निवास की व्यवस्था क्या हो चुकी है ?

**श्री जे० के० भोंसले** : उनको बसाने के लिये पूरी कोशिश कर रहे हैं ।

**श्री कृष्णकान्त व्यास** : अब तक क्या क्या कोशिशें हुई हैं और उसमें कितनी सफलता मिली है ?

**श्री जगजीवन राम** : यह कोई आसान सवाल नहीं है ।

this. The Pakistan Government offers to take back the refugees; on the other hand, the Government of India cannot make adequate arrangements 'for their rehabilitation. May I know, Sir, what steps Government are going to take to send back such refugees as are willing to go back to Pakistan?

**SHRI J. K. BHONSLE: All those who want to go back will certainly be sent back. We will make all sorts of arrangements if they are willing to go back.**

**REQUIREMENT OF ELECTRICITY IN DELHI**

***840. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister for IRRIGATION AND POWER be pleased to state the number of units of electric energy required yearly for industrial purposes in Delhi?**

**THE DEPUTY MINISTER FOR IRRIGATION AND POWER (SHRI J. S. L. HATHI): Forty million units.**

مولانا ایم - فاروقی : کیا یہ اندازہ بتایا جا سکتا ہے کہ دلی کی کل کتنی ضرورت ہے ؟

[**मौलाना एम० फारूकी** : क्या यह अंदाजा बतलाया जा सकता है कि दिल्ली की कुल कितनी जरूरत है ?]

**श्री जे० एस० एल० हथी** : दिल्ली को ४० हजार किलोवाट की जरूरत अभी तक है ।

مولانا ایم - فاروقی : کب تک امید کی جا سکتی ہے کہ یہ پوری ہو جائے گی ؟

[**मौलाना एम० फारूकी** : कब तक उम्मीद की जा सकती है कि यह पूरी हो जायेगी ?]

**श्री जे० एस० एल० हथी** : अभी जो ४० हजार किलोवाट की जरूरत है, उन कनेक्शंस के लिये अब १८ तारीख से भाकरा से बिजली मिली है और एक दो महीने में शायद सब बिजली मिलेगी ।

مولانا ایم - فاروقی : یعنی دو مہینے میں دہلی کی جتنی ضرورت ہے وہ پوری ہو جائے گی ؟

[**मौलाना एम० फारूकी** : यानी दो महीने में देहली की जितनी जरूरत है वह पूरी हो जायेगी ?]